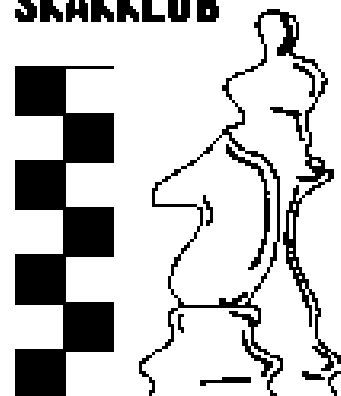


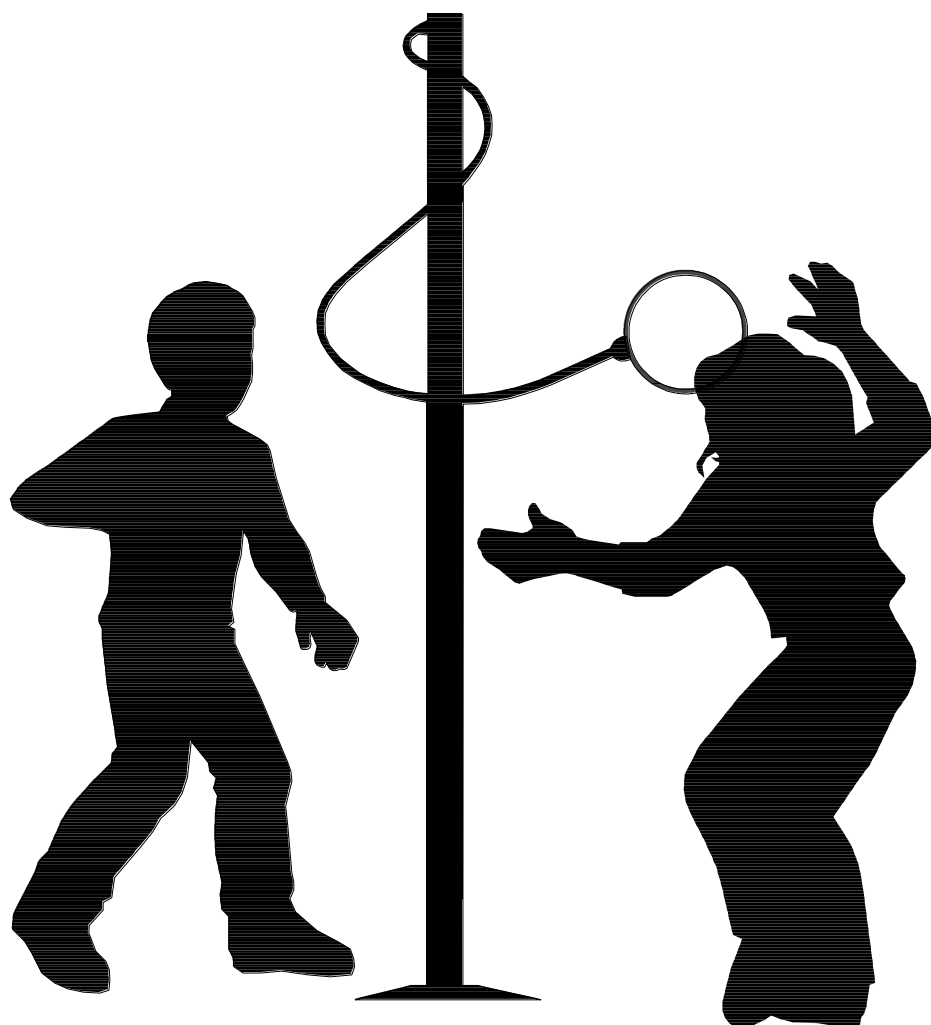
**RØDOYRE
SKAKKLUB**



Interne træk

Juni 2001

årgang 37, nr. 4



Interne træk

hjem.get2net.dk/

skak/rodovre_skakklub

juni 2001, årgang 37, nr. 4

Skakblad for
Rødovre Skakklub
Højnæsvej 63
2610 Rødovre

klubaften tirsdag

Formand: Knud Hornhaver
telefon 35 37 28 21

Holdkampe: Flemming Bruun
telefon 40 84 36 39

Turneringer: Jan Nielsen
telefon 36 41 33 75

Redaktion:

Jens Bager
Brøndby Nord Vej 111, 3. th
2605 Brøndby
e-mail: i.b.@wanadoo.dk

Bjørn Enemark
Stjernevangen 7
2600 Glostrup
e-mail: bjorn.enemark@get2net.dk

næste nr. udkommer
primo oktober 2001

Ikke alle indlæg er udtryk for redaktionens holdning.

Indholdsfortegnelse

| | |
|-------------------------------|----|
| Forside | 1 |
| Indhold | 2 |
| Klåge ord | 3 |
| Vinterturneringen | 4 |
| Kampen om mesterskabet | 6 |
| Partier fra vinterturneringen | 7 |
| Til lykke | 8 |
| Mod Erling Mortensen | 9 |
| Billedkavalkade | 10 |
| Ratinglisten | 14 |
| Mod Erling Mortensen | 16 |
| Forårsturneringen | 18 |
| Partier fra forårsturneringen | 20 |
| Skakbladets redaktør | 21 |
| Problemhjørnet | 22 |
| Skaksnakcaféen | 25 |
| Hinsides h-linien | 26 |
| Skakkalender | 28 |

KLÅGE ORD

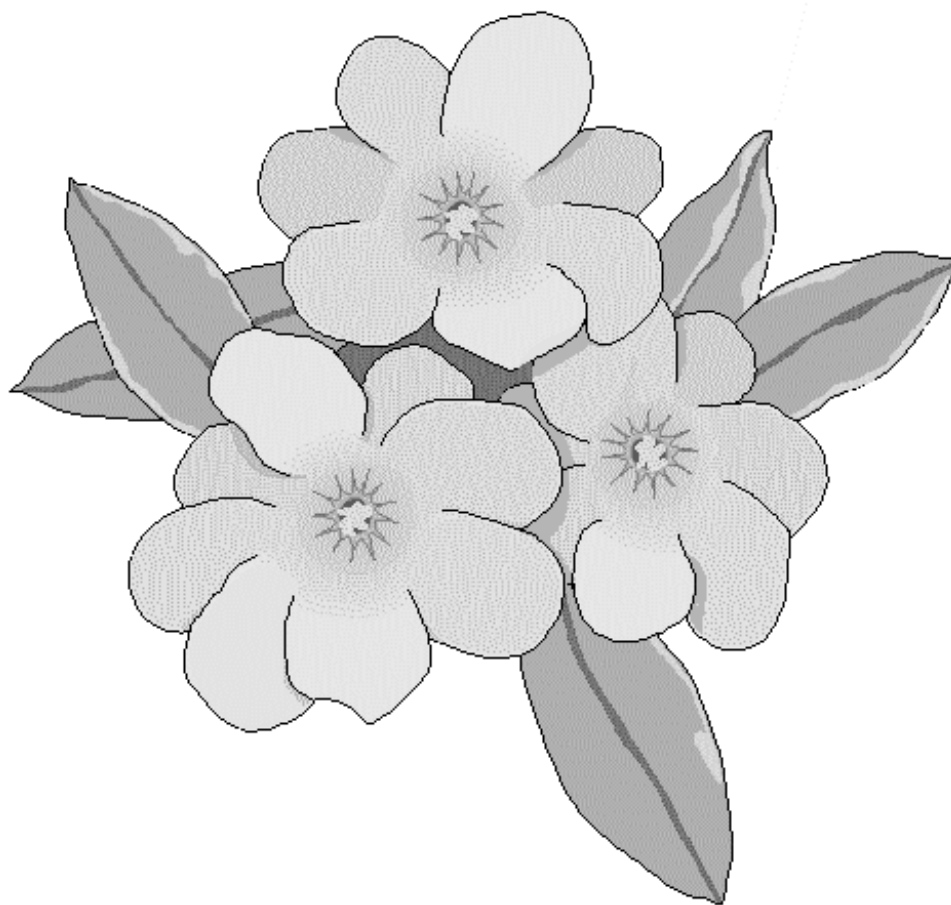
Så er sæsonen slut. Nogle vil måske spille skak på privat basis, andre vil holde en ferie fra spillet og vende tilbage med nye kræfter i august. Måske bliver Skaksnakcafeen en mulighed her i sommerperioden, det må afklares ved afslutningsarrangementet.

Vestvold-turneringen blev desværre aflyst, det nye menighedsråd ville ikke længere lade Vanløse Skakklub benytte lokalerne til arrangementer. De vil forsøge at stable noget på benene i august-september, vi må se om det bliver til noget.

Vi havde vel håbet, at simultanmatchen mod Erling Mortensen også kunne resultere i nogle nye medlemmer, men så bliver det først til næste sæson. Imens kan vi så kikke på billedkavalkaden inde i bladet - hvis ellers det lykkes i trykkeprocessen.

Selv om solskinnet lader vente på sig, så kan vi vel forvente både varme og sol inden vi mødes igen i begyndelsen af august. God sommerferie til alle.

Jens & Bjørn



Kampen om mesterskabet

I sidste runde mødtes de to førende i mesterklassen, så fint kom det til at passe. Gisli skulle vinde for at komme á points med Szücs og vinde retten til omkamp. Og partiet blev spændende. Meget lige helt op forbi tidskontrollen.

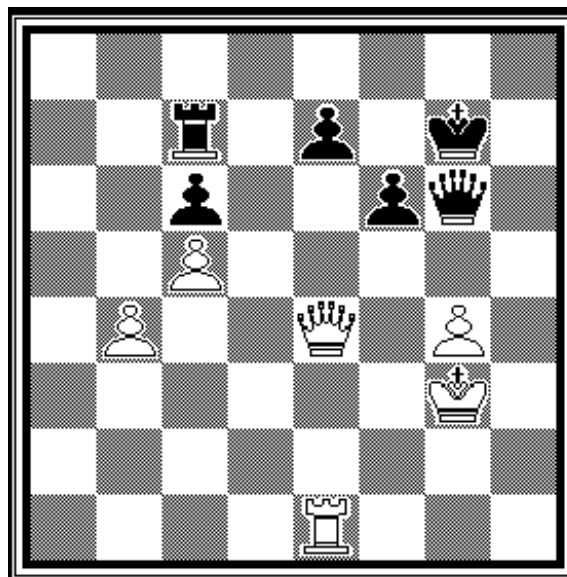
Hvid: Gisli Hardarsson

Sort: Gyula Szücs

| | | | |
|----------|------|----------|------|
| 1. Sf3 | Sf6 | 2. c4 | c5 |
| 3. d4 | Bxd4 | 4. Sxd4 | g6 |
| 5. b4 | Lg7 | 6. Lb2 | d6 |
| 7. g3 | Sbd7 | 8. Lg2 | 0-0 |
| 9. 0-0 | a5 | 10. a3 | Bxb4 |
| 11. Bxb4 | Txa1 | 12. Lxa1 | Db6 |
| 13. Db3 | Se5 | 14. Sd2 | Sc6 |
| 15. Sxc6 | Bxc6 | 16. e3 | Le6 |
| 17. Se4 | Sxe4 | 18. Lxe4 | Tb8 |
| 19. Lxg7 | Kxg7 | 20. Dc3+ | f6 |
| 21. Tb1 | Tc8 | 22. Kg2 | d5 |
| 23. c5 | Db7 | 24. Lf3 | Ld7 |
| 25. e4 | Bxe4 | 26. Lxe4 | Lf5 |
| 27. Df3 | Lxe4 | 28. Dxe4 | Dd7 |
| 29. Te1 | Kf7 | 30. f3 | Tc7 |

Stillingen er helt lige, men det er jo ikke nok for Gisli.

| | | | |
|----------|------|----------|------|
| 31. h4 | Kg7 | 32. g4 | Kg8 |
| 33. Kg3 | Kg7 | 34. f4 | Kg8 |
| 35. f5 | Kg7 | 36. Te3 | De8 |
| 37. Bxg6 | Bxg6 | 38. Te1 | Dd7 |
| 39. h5 | De8 | 40. Bxg6 | Dxg6 |



| | | | |
|----------|-----|---------|------|
| 41. Df4 | Td7 | 42. Te6 | Dd3+ |
| 43. Te3 | Dd5 | 44. De4 | Dxe4 |
| 45. Txe4 | Kf7 | 46. Kf4 | Tb7? |
| 47. Kf5 | Td7 | | |

Nu opgiver Gisli sine gevinstforsøg og tilbyder remis, et rimeligt tilbud selv om han kun har 5 min. mod 20 min. Men Szücs vil vise hvem der er mesteren!

| | | | |
|-----------|-------|------------|-----|
| 48. Kf4 | Td5 | 49. Ke3 | e5 |
| 50. Ke2 | Ke6 | 51. Te3? | Td4 |
| 52. Td3 | Kd5 | 53. Ke3 | Kc4 |
| 54. Txd4+ | Bxd4+ | 55. Ke4 | d3 |
| 56. Ke3 | Kxb4 | (56. Kc3!) | |
| 57. Kxd3 | Kxc5 | 58. Ke3 | Kd5 |
| 59. Kd3 | c5 | 60. Kc3 | |

0-1 - og hermed var mesterskabet hjemme

Partier fra vinterturneringen

Hvid: David Rasmussen

Sort: Bent Jørgensen

Budapestergambit

1. d4 Sf6 2. c4 e5
3. Bxe5 Sg4 4. Sf3 Lc5
5. e3 Sc6 6. Le2 Sgxe5
7. Sxe5 Sxe5 8. 0-0 0-0
9. Sd2 a5 10. Sf3 De7
11. Ld2 d6 12. Dc2 Ld7
13. Lc3 Lc6 14. Sd4 Ld7
15. a3 a4 16. Tad1 f5
17. Sf3 Lc6 18. Sxe5 Bxe5
19. Ld3 Dg5 20. g3 Tae8
21. Tfe1 Dh5 22. Le2 Dg5
23. Lb4 De7 24. Dc3 f4
25. Bexf4 Bxf4

26. - Bxg3

Endnu stærkere var 26. - Lxf2

27. Txe7

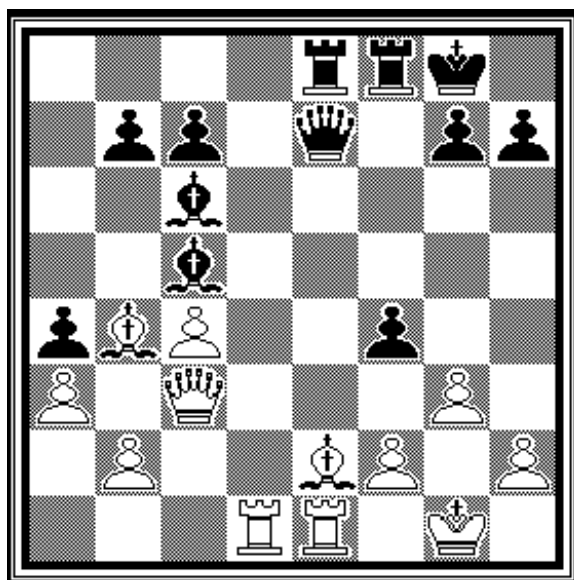
Damegevinsten, men 27. Dxg3 var nødvendigt

27. - Lxf2+28. Kf1 Ld4+

29. Tf7

29. Lf3 havde klaret ærterne så nogenlunde. Dette blokerer ganske vist også tårnlinien, men dækker ikke

29. - g2#



26. Lh5?

Ser stærkt ud med dronningetrussel, men David undervurderer løberparret. Bent ignorerer truslen og får et gevaldigt angreb.



Til lykke

Rødovre Skakklub ønsker

17. august

Bjørn Enemark

til lykke

med de 60 år



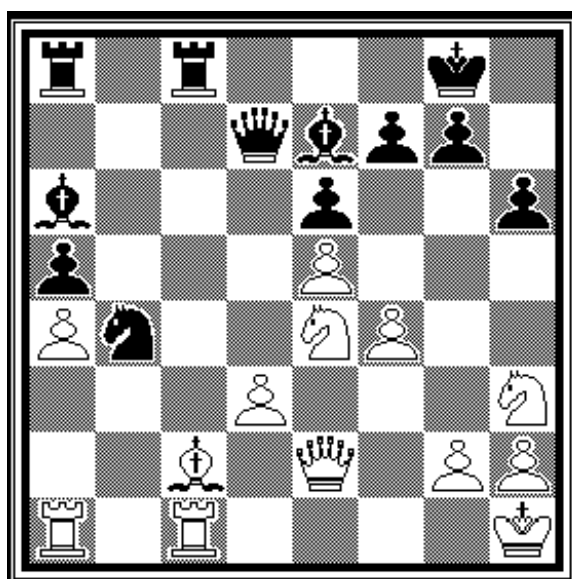
Mod Erling Mortensen

Hvid: Bent Jørgensen
Sort: Erling Mortensen

1. e4 c5 2. Lc4 e6
3. De2 Sc6 4. c3 Dc7

En lidt utraditionel sicilianer, men ingen problemer for nogen af siderne

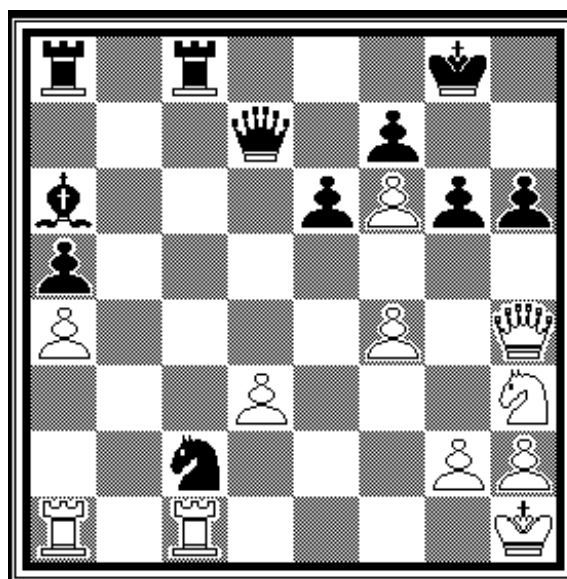
5. Lb3 Sf6 6. d3 Le7
7. f4 0-0 8. Sh3 d5
9. e5 Sd7 10. 0-0 b5
11. Sd2 Lb7 12. a4 b4
13. Kh1 a5 14. Sf3 Sb6
15. Le3 Bxc3 16. Bxc3 La6
17. Lc2 d4 18. Bxd4 Bxd4
19. Lxd4 Sxd4 20. Sxd4 Tfc8
21. Tfc1 Dd7 22. Sf3 Sd5
23. Sfg5 h6 24. Se4 Sb4



25. Dg4?

Lige spil hertil, men dette træk koster løberen på c2

25. - Sxc2 26. Sf6+ Lxf6
27. Bxf6 g6 28. Dh4



28. - Kh7??

I en simultan kan man ikke styre det hele. Bent har skabt "rusk", men med mere betænkningstid havde Erling Mortensen jo nok set:

28. - Sxa1 29. Txa1 Dd4
med trussel mod a1 og stor sort fordel.
I stedet sætter han spillet over styr.
Og Bent siger ja tak med:

29. Sg5+
1 - 0

Mod Erling Mortensen



Mod Erling Mortensen



Mod Erling Mortensen



Mod Erling Mortensen



Ratinglisten

maj 2001

| | 28/5-00 +/- | | Bon. 22/11-00 +/- | | Bon. 5/5-01 | Års +/- |
|----------------------|-------------|-----|-------------------|-----|-------------|---------|
| Bent Kølvig | 2298 | | 2298 | | 2298 | |
| Jens Akhøj Nielsen | 2070 | | 2070 | | 2070 * | |
| Søren Drejfeldt | 2045 | | 2045 | | 2045 * | |
| Gyula Szücs | 1877 | 32 | 1909 | 42 | 1951 | 74 |
| Peter Rank | 1915 | | 1915 | | 1915 * | |
| Bent Jørgensen | 1942 | | 1942 | -33 | 1909 | -33 |
| Jacob Rubin | 1795 | 73 | 15 1883 | -12 | 1871 | 76 |
| Jan Nielsen | 1828 | 31 | 1859 | | 1859 | 31 |
| Jakob Enemark | 1836 | | 1836 | | 1836 | |
| Tommy Lundsteen | 1823 | | 1823 | | 1823 | |
| Bjørn Rasmussen | 1724 | 53 | 1777 | 43 | 1820 | 96 |
| Michael Garly | 1815 | | 1815 | | 1815 * | |
| Morten Lundsgaard | 1815 | | 1815 | | 1815 | |
| Gisli Hardarsson | 1810 | -22 | 1788 | 24 | 1812 | 2 |
| Leif Sørensen | 1808 | | 1808 | | 1808 | |
| Jørgen Larsen | 1780 | | 1780 | | 1780 * | |
| Frank Krieger | 1770 | | 1770 | | 1770 * | |
| Kim Andersen | 1768 | | 1768 | | 1768 * | |
| Johnny Borup | 1730 | 20 | 1750 | | 1750 | 20 |
| Bjørn Enemark | 1770 | -55 | 1715 | 22 | 1737 | -33 |
| Bjørn Christoffersen | 1751 | -18 | 1733 | -45 | 1688 | -63 |
| David Rasmussen | | | 1700 | -16 | 1684 | -16 |
| Arne Østergaard | 1742 | -61 | -10 1671 | 4 | 1675 | -67 |
| Klaus Mortensen | 1638 | 50 | 1688 | -27 | 1661 | 23 |
| Michael Rosenby | 1655 | | 1655 | | 1655 * | |
| Morten Rosenby | 1645 | | 1645 | | 1645 * | |
| Leif Tange | 1705 | -61 | 1644 | | 1644 | -61 |
| Niels H. Nielsen | 1680 | -8 | 1672 | -32 | 1640 | -40 |
| Zoran Wisal | 1470 | 34 | 1504 | 87 | 40 1631 | 161 |
| Ernst M. Hansen | 1692 | -14 | 1678 | -56 | 1622 | -70 |
| Flemming Bruun | 1621 | | 1621 | | 1621 | |
| Bjarne Røhder | 1590 | -27 | 1563 | 51 | 1614 | 24 |
| Morten Olsen | 1632 | -25 | 1607 | 2 | 1609 | -23 |
| Johan Petersen | 1598 | 32 | 1630 | -56 | 1574 | -24 |
| Jens Bager | 1562 | | 1562 | | 1562 | |
| Leif Redke | 1561 | | 1561 | | 1561 | |
| Per Kühlmann | 1579 | -73 | -15 1491 | 41 | 15 1547 | -32 |
| Tutundjan Howhannes | 1450 | 55 | 1505 | -3 | 1502 | 52 |
| Magnus Nielsen | 1498 | | 1498 | | 1498 | |
| Claus Larsen | 1512 | -17 | 1495 | | 1495 | -17 |
| Torben M. Jensen | 1480 | 2 | 1482 | 4 | 1486 | 6 |

Ratinglisten

maj 2001

| | 28/5-00 +/- | | Bon. 22/11-00 +/- | | Bon. 5/5-01 | Års +/- |
|-----------------------|-------------|-----|-------------------|------|-------------|---------|
| Knud Hornhaver | 1514 | 5 | 1519 | -40 | 1479 | -35 |
| Ole Paag Hansen | 1466 | 7 | 1473 | | 1473 | 7 |
| Mikkel Olsen | 1427 | -13 | 1414 | 56 | 1470 | 43 |
| Rune L. Pedersen | 1257 | 93 | 100 1450 | | 1450 | 193 |
| John Vestergaard | 1435 | -16 | 1419 | 7 | 1426 | -9 |
| Børge Nielsen | 1303 | 37 | 1340 | 68 | 15 1423 | 120 |
| Bo Lindberg | 1403 | | 1403 | | 1403 | |
| Jørgen Trærup | | | | | 1400 | |
| Bent Christensen | 1400 | 18 | 1418 | -34 | 1384 | -16 |
| Carl Gunnar Dalsgaard | 1380 | | 1380 | | 1380 * | |
| Søren Tømning | 1336 | | 1336 | | 1336 | |
| Ole Lindberg | 1286 | -18 | 1268 | 49 | 1317 | 31 |
| Egart Andersson | 1142 | 65 | 1207 | 45 | 1252 | 110 |
| Rasmus O.Madsen | 1315 | -43 | 1272 | -22 | 1250 | -65 |
| Morten Kühlmann | 1275 | -9 | 1266 | -26 | 1240 | -35 |
| John Hjelm | | | 1200 | 32 | 1232 | 32 |
| Anders Hørby | 1169 | 59 | 1228 | 3 | 1231 | 62 |
| Torben Madsen | 1168 | 23 | 1191 | 22 | 1213 | 45 |
| Steen Achton | 1257 | -55 | 1202 | -1 | 1201 | -56 |
| Mogens Jeberg | 1188 | 25 | 1213 | -18 | 1195 | 7 |
| Kurt Achen | 1276 | -53 | 1223 | -32 | 1191 | -85 |
| Hans Frederiksen | 1172 | 24 | 1196 | -12 | 1184 | |
| Rudolf Kuniss | 1176 | -13 | 1163 | 11 | 1174 | -2 |
| Winnie Sørensen | 1275 | -58 | 1217 | -48 | 1169 | -106 |
| Henrik Rasmussen | 1121 | -9 | 1112 | 57 | 1169 | 48 |
| Poul Erik Pedersen | 1149 | -6 | 1143 | 17 | 1160 | 11 |
| Leif Clausen | 1284 | -18 | 1266 | -101 | -50 1115 | -169 |
| Andreas Mogensen | 1060 | | 1060 | | 1060 | |
| Richard Horslev | 1000 | 61 | 15 1000 | 23 | 1023 | 99 |
| Phillip Wolf | 1000 | -22 | 1000 | -48 | 1000 | -70 |
| Jonas Koch | 1000 | -57 | 1000 | -48 | 1000 | -105 |
| Brian Koch | 1000 | -28 | 1000 | | 1000 | -28 |

* rating fra 1996 eller tidl.

Uden for listen

Alex Juul

Anders Lundsgaard

Henrik Eriksen

Lars Sørensen

Mod Erling Mortensen

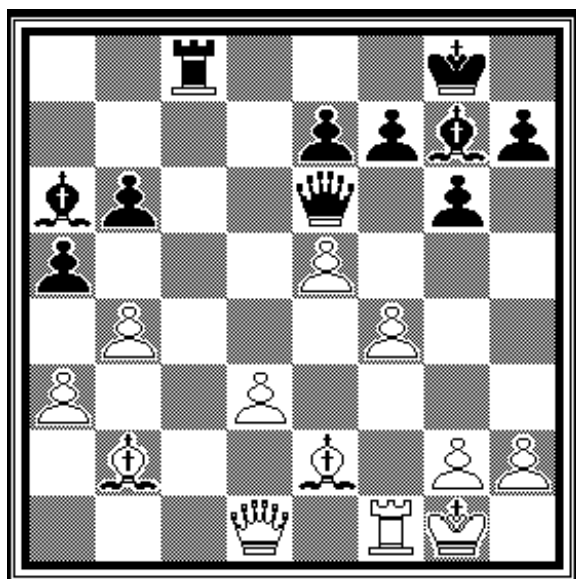
Kommentarerne til nedenstående parti skyldes Fritz 6, det fremragende skakprogram der sælges til godt 400 kr. Køb det! Her er kun nævnt de træk, der (i følge Fritz) har kostet 1,4 bonde eller mere. Men der er mange træk, der gør en forskel på en bondes penge. Forskellen er angivet i parentes.

Det eneste problem ved at kommentere på denne måde er, at programmet ganske vist finder de dårlige træk, men ikke fremhæver de gode træk!

hvid: Bjørn Enemark

sort: Erling Mortensen

1. f4 c5 2. Sf3 Sc6
3. e3 d5 4. c3 d4
5. Bcxd4 Bxd4 6. e4 Sf6
7. d3 g6 8. Le2 Lg7
9. 0-0 0-0 10. b3 a5
11. Lb2 Sd7 12. Sa3 Sc5
13. Tc1 b6 14. Sc2 La6
15. e5 Tc8 16. Scxd4 Sxd4
17. Sxd4 Dd7 18. a3 Tfd8
19. b4 Se6 20. Sxe6 Dxe6
21. Txc8 Txc8



22. Ld4?

Jeg var bange for hans angreb efter

22. Lg4 (1,7)

22. - f5 23. Bxf6 De3+

24. Kh1 Td8

men så hænger løberen jo

22. - f6 23. Lg4 Dd5

24. Lxb6 Tc3 25. Bxf6 Bxf6

26. De1 f5 27. De8+ Lf8

28. Lf3 Df7?

I stedet skal der spilles

28. - Dd6 (2,1)

29. Lc5 Txc5

29. Dxf7+?

Men jeg ser heller det bedste træk

29. Da8! (2,1) med dobbelttrussel:

DxL og Ld5. Alligevel står hvid fint

29. - Kxf7 30. Ld5+ Ke8

31. Te1+ Kd7 32. d4 Bxb4

33. Bxb4 Lxb4 34. Tb1 Ld6

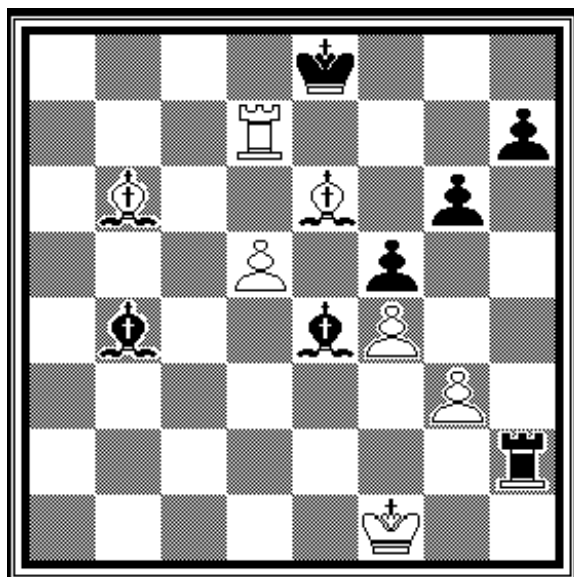
35. g3 Ld3 36. Ta1 Le4

Mod Erling Mortensen

37. Lg8 Tc2 38. d5 Td2
39. Kf1?

Panik-træk, nu smuldrer det
39. Ta7+ (1,7)

39. - Txh2 40. Le6+ Ke7
41. Ta7+ Kf8 42. Tf7+ Ke8
43. Td7 Lb4



44. Td8+?

Efter

44. d6 (1,8) kræves

44. - Lxd6 45. TxL

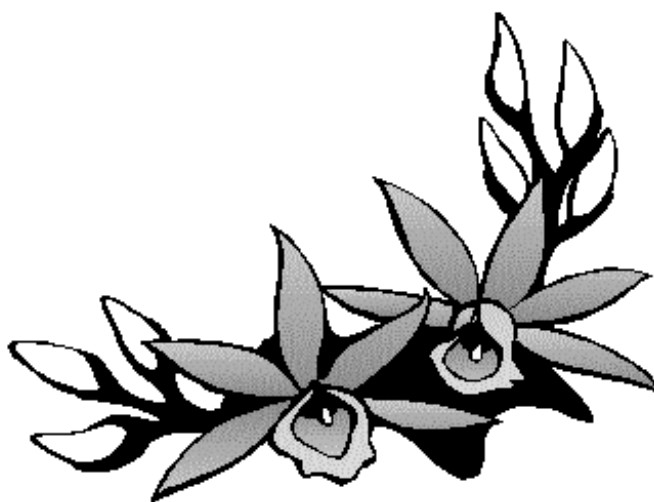
men jeg er meget mere optaget af hans modangreb med to løbere og tårn, det er bare ikke så stærkt som mit.

44. - Ke7 45. Td7+

med remistilbud som han straks tager imod (der er evig skak)

Sådan set et pænt resultat, men efter f.eks. 28. træk er der klar gevinst. Nu kunne jeg sige, at det er stressende hele tiden at skulle trække uden at få lejlighed til at tænke stillingen igennem, men det argument holder selvfølgelig ikke. For han skulle jo i langt højere grad trække med det samme. Ellers havde jeg da aldrig fået så pæn en stilling.

Bjarn (og Fritz)



Forårsturneringen

Forårsturneringen blev som altid en underholdende affære. Det beskedne handicap-system sammen med den i forvejen reducerede betænkningstid giver de stærkeste spillere større problemer end man skulle tro.

Det vil sige, dette gælder dog ikke klubmesteren, der også her endte øverst på skamlen. Jan var godt med, men tabte et skridt på korrektion.

Zoran fra B-gruppen fik en udelt

tredjeplads, velfortjent, da han som den eneste slog mesteren.

En overraskelse var Børge Nielsen fra D-gruppen, der her kom ind i præmiegruppen med en delt 6. plads foran adskillige A-spillere.

Ud over de første 7 er der præmie til den bedste blandt de øvrige fra B-, C-, D- og E-gruppen. Det blev henholdsvis Johan, Mikkel, Rasmus og Poul Erik.

Vi siger til lykke til præmietagerne.



Forårsturneringen

| Forår 2001 | Runde | Runde | | | | | | | | I alt | korr. | plac. |
|---------------------------|-------|-------|---|---|---|---|---|---|---|-------|-------|-------|
| | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | | | |
| Gyula Szücs | A | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 1 | - | 1 | 6½ | 32 | 1-2 |
| Jan Nielsen | A | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 1 | - | 6½ | 31 | 1-2 |
| Zoran Wisal | B | 1 | - | 1 | 1 | 1 | 0 | - | 1 | 6 | | 3 |
| Bjørn Rasmussen | A | 0 | - | 1 | 1 | 1 | 1 | - | - | 5½ | 31½ | 4-5 |
| Bjørn Enemark | A | 0 | - | 1 | - | 1 | 1 | - | 1 | 5½ | 29½ | 4-5 |
| David Rasmussen | A | 1 | - | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | - | 5 | 31 | 6-7 |
| Børge Nielsen | D | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 1 | 5 | 28½ | 6-7 |
| Gisli Hardarsson | A | 1 | - | 0 | - | 1 | 1 | 0 | - | 4½ | 33½ | 8-13 |
| Jacob Rubin | A | 0 | - | 0 | 1 | 1 | 1 | 1 | 0 | 4½ | 28 | 8-13 |
| Mikkel Olsen | C | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | - | 4½ | 26 | 8-13 |
| Johan Petersen | B | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | - | 4½ | 26 | 8-13 |
| Arne Østergaard | B | - | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 1 | 4½ | 25½ | 8-13 |
| Rasmus O.Madsen | D | 1 | 1 | 0 | - | 1 | 0 | 0 | 1 | 4½ | 24 | 8-13 |
| Poul Erik Pedersen | E | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 4 | 26½ | 14-15 |
| Egart Andersson | E | 0 | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 1 | 4 | 23 | 14-15 |
| Jørgen Trærup | C | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 1 | 0 | 4 | | |
| Torben M. Jensen | C | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 4 | | |
| Klaus Mortensen | B | - | - | 0 | 1 | 0 | 1 | 1 | 0 | 4 | | |
| Bent Jørgensen | A | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 4 | | |
| Richard Horslev | E | 1 | 0 | 1 | - | 1 | 0 | 0 | 0 | 3½ | | |
| Torben Madsen | E | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | - | 1 | 3½ | | |
| Knud Hornhaver | C | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | - | 1 | 0 | 3½ | | |
| Morten Olsen | B | 1 | - | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 3½ | | |
| Mogens Jeberg | E | 0 | 1 | 0 | 0 | 1 | - | - | 0 | 3 | | |
| Morten Kühlmann | D | 0 | 1 | - | 1 | 0 | 0 | - | 0 | 3 | | |
| Howhannes Tutuudjan | B | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 0 | 0 | 3 | | |
| Bjarne Røhder | B | 0 | 0 | 0 | 0 | 0 | 1 | 1 | 1 | 3 | | |
| Per Kühlmann | B | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | - | 0 | 2½ | | |
| Rudolf Kuniss | E | 0 | 0 | 1 | 1 | 0 | 0 | 0 | 0 | 2 | | |
| Anders Hørby | D | 1 | 0 | - | 0 | 0 | 0 | x | x | 1½ | | |
| John Vestergaard | C | 0 | 1 | x | x | 0 | 0 | x | x | 1 | | |

Partier fra forårsturneringen

Hvid: Per Kühlmann

Sort: Egart Andersson

1. f4 d6 2. e4 Sf6
3. Sc3 Sbd7 4. Sf e5
5. f5 h6 6. Lb5 c6
7. Le2 Dc7 8. a3 Le7
9. b4 Sf8 10. b5 g5
11. Bxc6 Bxc6 12. d4 g4
13. Sh4 Sh5 14. g3 Lxh4
15. Bxh4 Tg8?

Fritz anbefaler 15. - De7 (1,7)

16. Lxg4?

Bedre 16. Lxh6 (1,6)

16. - Sf4?

Stadig er 16. - De7 (1,6) bedre

17. Lxf4 Bxf4 18. h5 De7

19. h4 Sh7 20. De2 a5

21. Kd2? Sf6 22. Lf3 La6

23. Df2 Sg4?

Mere aggressivt er 23. - Lb7 (1,5)

24. Dg2?

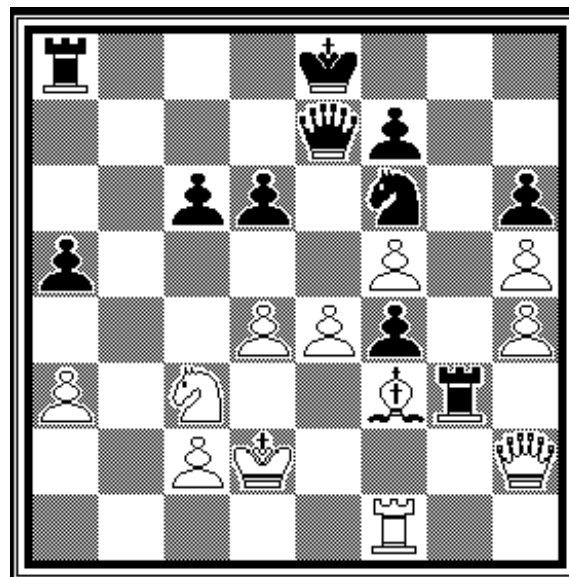
Fritz foreslår det vilde 24. Tag1 (2,4)
med trussel om dobbelt tårngevist mm.

24. - Sf6 25. Dh2 Tg3

26. Taf1?

Bedre var 26. Df2 (1,5)

26. - Lxf1 27. Txf1



27. - d5 28. Se2?

Her går det helt galt. 28. e5 (4,8) var
nødvendigt.

28. - Da7?

Men 28. - Dxa3 (5,8) vinder

29. Sxf4?

29. e5 (2,9) kan bryde igennem i
centrum

29. - Dxd4+ 30. Sd3 Sxe4+

31. Lxe4 De3+ 32. Kd1 Bxe4

33. Te1 Df3+ 34. Kc1 Kf8?

34. 0-0-0 er endnu bedre (1,5)

35. Sc5?

35. Txe4 (13,8)

35. - Dxa3+ (0-1)

Skakbladet's

redaktør bliver voksen



Thorbjørn Rosenlund blev redaktør af vort medlemsblad i den unge alder af 26 år. Det syntes mange dengang var noget af en panik-satsning fra bestyrelsens side. Men den unge landsholdsspiller viste sig hurtigt at være stillingen voksen. En skakbladsredaktør, der både kan spille skak og skrive dansk, er guld værd! Desværre har DSU aldrig haft ret meget guld at gøre godt med.

Det er efterhånden 24 år siden. Og den unge redaktør er blevet ældre. Nu fylder den gamle redaktør altså 50 år. Det er den 18. juni. Mange klubber og skakspillere vil sikkert ønske ham til lykke med den runde dag. Og sikkert også udtrykke ønsket om at han fortsætter det gode arbejde for dansk skak ud over jubilæet næste år!

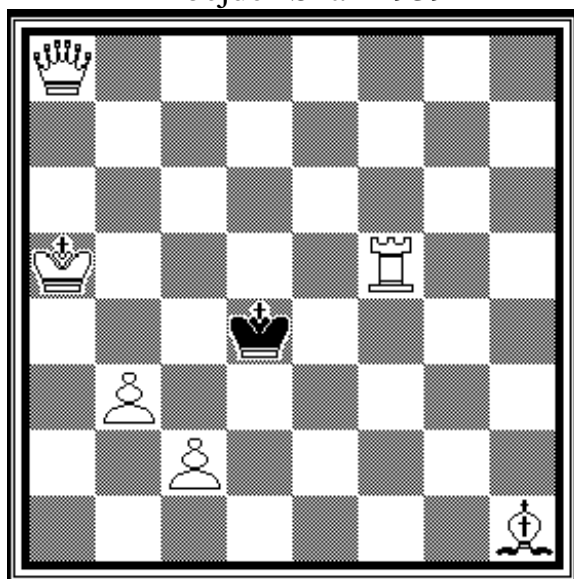
Bent Kølvig

50

Problemhjørnet

I sidste nr. af Interne Træk havde vi løsere, men denne gang var der ingen interesse for rødvin! Måske var de sværere, men det var dog almindelige opgaver med mat i kun 2 træk.

Filip Petersen
Arbejder-Skak 1939



Mat i to træk

Den første opgave er over 60 år gammel, men det har ikke gjort den nemmere! At skulle åbne matnettet og give flere flugtfelter er ikke indlysende:

1. Tf2!

1. - Kc3 2. Dh8#

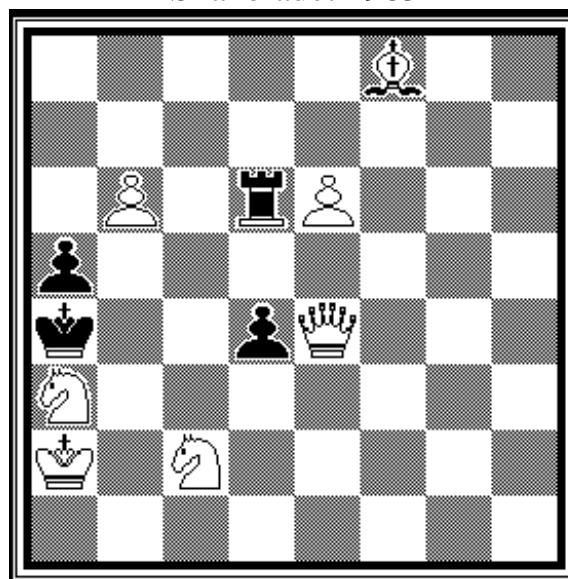
1. - Ke3 2. Da7#

1. - Kc5 2. Dd5#

1. - Ke5 2. Dd5#

Sort har fire diagonaltræk med kongen, et klassisk opgavetema: kongestjerne.

Chr. S. Animitsa & Galtsenko (SU)
Skakbladet 1983



Mat i to træk

Her er sort konge låst inde, godt og effektivt. At slå tårnet giver naturligvis pat. Men Txb6 synes at gardere mod alt

1. Sb4!

1. - KxS 2. Dxe4#

1. - Txb6 2. Dc2#

1. - Tc6 2. DxT#

Træktvang efter første træk, et andet klassisk tema. Desuden binding af tårnet i første variant.

Problemhjørnet

Det er nok kendt, at en af redaktørerne beskæftiger sig med problemskak. Interessen gælder løsning af opgaver og temaerne bag dem. Men også det selv at konstruere opgaver er morsomt. Der er masser af mere eller mindre nedskrevne regler, som sådanne opgaver skal overholde. Her er et udvalg:

Løselighed

- de skal naturligvis kunne løses
- de skal ikke være indlysende
- i almindelige matopgaver må der kun være ét nøgletræk
- nøgletrækket må helst ikke være skakgivende
- hvid må kun have ét svar på hvert sort træk
- helst ikke samme træk i flere varianter
- fint, hvis matten er modelmatten: hvert flugtfelt dækkes kun af én hvid brik

Idé

- der skal være en idé: et tema
- når der er flere varianter skal de helst følge et fælles mønster

Opstilling

- diagramstillingen skal være lovlig, dvs. kunne opstå i parti
- der må ikke være overflødige brikker
- der må helst heller ikke være brikker som kun medvirker i en enkelt variant
- i det hele taget: jo færre brikker jo bedre
- der må kun anvendes udgangsstillingens brikker, ikke f.eks. 3 hvide springere
- fint, hvis opstillingen er grafisk tiltalende

Flere af reglerne kan brydes, hvis man kan begrunde det. F.eks. er der lavet opgaver, hvor samtlige træk er skakgivende. Der er opgaver, hvor diagramstillingen er ulovlig, men hvor opgaven er at fjerne/tilføje en brik så den bliver lovlig. Man kan altså bryde reglerne, hvis netop dette gøres til opgavens idé.

Problemhjørnet

Når man forsøger sig med at lave skakopgaver, så gælder det om at få dem accepteret i det rigtige selskab, dvs. trykt i et egentligt problemblad.

Der findes sjældent mere end ét eller to blade i et land. Her i landet er der ét: Thema Danicum, bladet for Dansk Skakproblem Klub. I Sverige er der ligeledes ét: Springaren.

Opgaver publiceret første gang i f.eks. en avis eller endda i Skakbladet har ikke samme status.

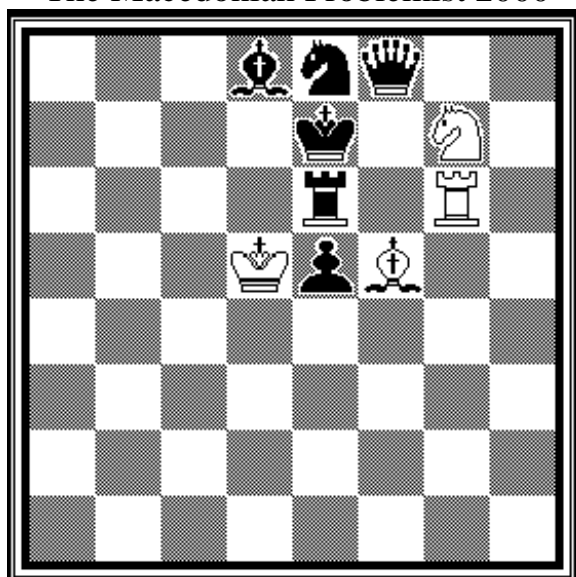
Endnu bedre er det at blive placeret i en konkurrence udskrevet af problemblad. Selv om jeg har deltaget i adskillige konkurrencer rundt omkring i Europa, så er det endnu ikke blevet til

placeringer. Her er to af forsøgene, udarbejdet til en konkurrence i anledning af Thema Danicums 25-års jubilæum, blad nr. 100. Temaet var, at brikkerne i diagrammet skulle danne et T eller et D eller begge dele.

Jeg bidrog med disse to hjælpematter, dvs. problemer hvor sort og hvid samarbejder om at sætte sort mat. I en hjælpemat begynder sort, der er altså i alt fire træk, et sort, et hvidt, et sort og et hvidt mattræk.

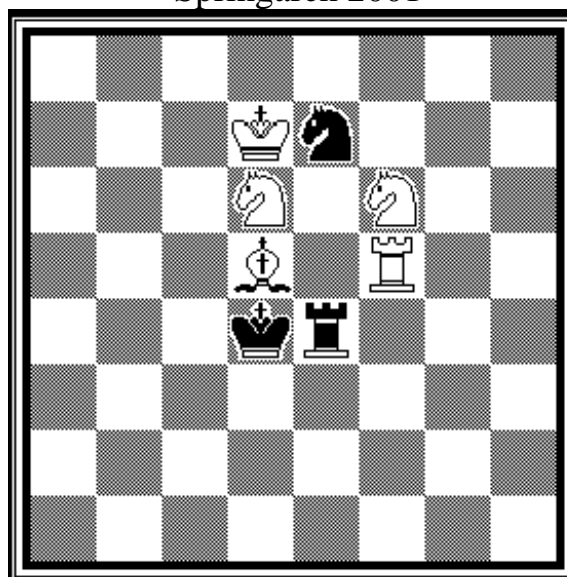
Opgaverne blev desværre ikke placeret men blev efterfølgende antaget af et problemblad. Begge opgaver har flere løsninger, hvilket er normalt for hjælpematter. Løsninger til redaktionen.

Bjørn Enemark
The Macedonian Problemist 2000



Hjælpemat i 2 træk (T+D bogstaver)
B: alle brikker skifter farve
3 løsninger i hver (3 sorte førstetræk)

Bjørn Enemark
Springaren 2001



Hjælpemat i 2 træk (D bogstav)
B: som A, men hL og sT bytter plads
C: som A, men hT og sS bytter plads

Skaksnakcaféen

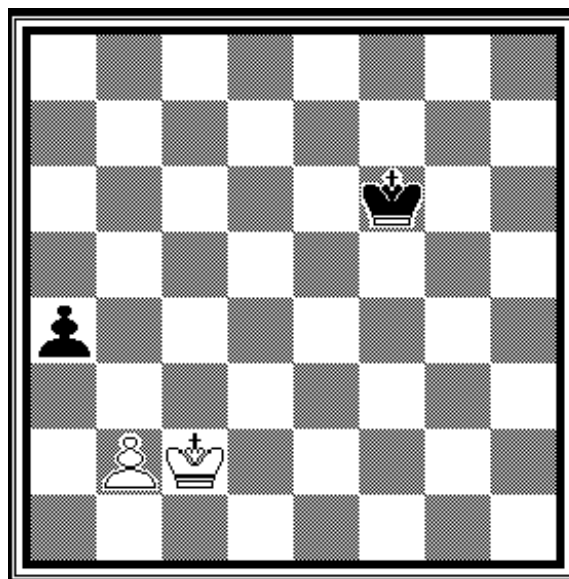
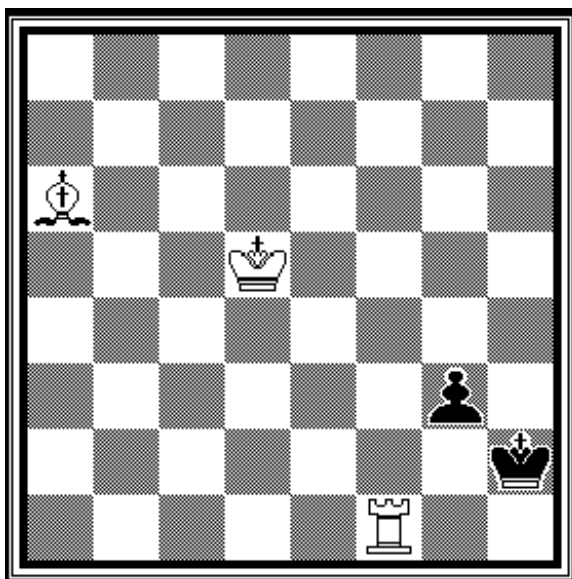
har flere og flere gæster nu. Mange af klubbens medlemmer kommer til hyggesnak og teoretiske diskussioner. Og hver gang er der en eller anden der kan vise noget frem. Eller bare har et spørgsmål om noget skakrelateret.

Ved mødet den 29. maj fik vi noget nyt på brættet: en hjælpemat komponeret

af Bjørn Enemark! Flot opgave. For de ikke-fremmødte kan det røbes at i en hjælpemat-opgave skal hvid og sort i smuk forening finde ud af at sætte den sorte konge mat. Ikke særlig anvendeligt i almindelige skakpartier, men morsomt og instruktivt at anskue en stilling under andre end de sædvanlige omstændigheder.



Der er også ret stor interesse for slutspilstudier. Vi har fx behandlet følgende stillinger:



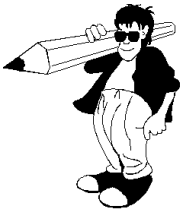
I begge situationer skak hvid (i trækket) finde ud at vinde!



Det store spørgsmål, som vi kan tale om hurtigst muligt, er nu:

Skal vi mødes i sommerferien?

Bent Kalvig



Hinsidesk linjen

De to store K'er var jo for ti-tyve år siden Kasparov og Karpov. I dag har den nye verdensmester Kramnik overtaget den enes plads, og tvekampen om verdensherredømmet fortsætter, om ikke igen i en direkte titelmatch så dog som en moralsk VM-kamp om at være bedst i turneringer hvor begge deltager.



Selv om Kasparov (billedet) stadig på ranglister figurerer øverst og har forsvaret stillingen udmærket, synes den anden K at markere sig bedre og bedre. Ikke mindst i kraft af mange fine positionelle præstationer. Og så har han stadig succes med sit remisvåben med sort: "Berlinmuren" alias Berlinerforsvaret mod spansk:

1. e4 e5 2. Sf3 Sc6 3. Lb5 Sf6!,

hvor den ene efter den anden stormester påstår, at hvid står bedst i slutspillet efter
4. 0-0 Sxe4 5. d4 Sd6 6. Lxc6 dxc6 7. dxe5 Sf5 8. Dxd8+ Kxd8.

Men Kramnik får som regel mindst remis (hvilket som bekendt i de kredse regnes for en sort succes!).

I superturneringen i maj i den sibiriske by Anasta mødtes de 2 nuværende K'er i sidste runde (1. juni) og kæmpede om turneringssejren, med Kramnik i den gunstige udgangsposition at kunne nøjes med remis. Så der regnede man på forhånd med, at han ville diske op med muren igen. For efterhånden var det vel blevet en æressag for Kasparov ikke at undvige den med et andet førstetræk end 1. e4! Spændingen før dette møde var sitrende høj.

Men som vel alle ved nu, gjorde Kasparov det! Han væltede virkelig Berlinmuren! Han gjorde det mange havde håbet på, men næsten ikke troet muligt! I et højdramatisk parti opvartede han med en ny opstilling, en smuk og enkel



Hinsidesk-linjen

brikudvikling, og fortsatte med et næsten utroligt bondeoffer for at åbne linjer og diagonaler. Så kom et løberoffer der ikke kunne modtages, og en kombination der tilbageerobrede bonden med et gunstigt slutspil. Derefter nogle skarpt beregnede manøvrer, og pludselig havde Kasparov en bonde mere. Den regerende verdensmester forsøgte et desperat officersoffer for nogle bønder, men forgæves.

1-0. Et ulideligt spændende parti der går lige over i skakhistorien.

Og så er man i disse dage i gang med at spille om at blive Europamester. Åbenbart ikke noget helt nyt, for turneringen hedder "2nd European Chess Championship". Det må være gået hen over mit hoved sidste år at vi nu også har en "EM"! Og hvem der blev den første. Nå, de spiller i Makedonien - af alle steder - i en lokalitet ved navn *Ohrid*. Og hovedparten af de mange kandidater er stormestre. Når dette læses er turneringen ved at være forbi, og så ved vi sikkert om den enlige danske deltager, danmarksmesteren Peter Heine Nielsen, er med i slutspurten om den åbenbart meget eftertragtede titel.

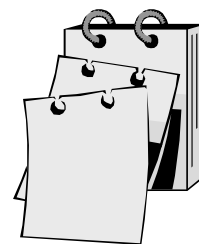


Har du hørt om "Luzhins forsvar"? Ved du heller ikke at to af de berømteste skakspillere slet ikke var skakmestre? De hed Humphrey Bogart og Vladimir Nabokov. Sidstnævnte var ham forfatteren der skrev "Lolita". Den blev jo til en meget omtalt film og har givet navn til et syndrom! Han har også skrevet romaner med skak i, og nu kommer snart filmen over bogen "Luzhin's Defence".

Den siges at være ret god og ikke være totalt skakmæssigt håbløs! Se den før din modstander!

Bent Kalvig

Skakkalender



2. halvår 2001

Lokaler

| | | |
|---------------|------------------------------|------------|
| 7. august | Alm. klubaften | AH, OL, GS |
| 14. august | Lynskak-mesterskabet | KH, BR, GS |
| 21. august | Generalforsamling | PK, LC, GS |
| 28. august | Match Hvidovre - i Hvidovre! | JN, CL, GS |
| 4. september | 1. runde RM | MO, TM, GS |
| 11. september | 2. runde RM | AH, OL, GS |
| 18. september | 3. runde RM | KM, GS |
| 25. september | 4. runde RM | KH, BR, GS |
| 2. oktober | 5. runde RM | PK, LC, GS |
| 9. oktober | 6. runde RM | MO, TM, GS |
| 16. oktober | Efterårsferie | Lukket !!! |
| 23. oktober | 7. runde RM | AH, OL, GS |
| 30. oktober | Manglende partier RM | KM, GS |
| 6. november | Holdkampe 1. runde | KH, BR, GS |

RM og holdkampe: Start kl. 19.30